

A) General Information: -

1. Name of the Institute: मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दिलशाद गार्डन

2. Details of the Investigator(s):

Name	Designation	Place of posting at the time of project completion	Present place of posting	Contact No.	E-mail
1.डॉ. कुमुद भारद्वाज	प्रवक्ता	मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दिलशाद गार्डन	मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दिलशाद गार्डन	9810933077	drkumudbhardwaj@gmail.com
2. डॉ सतनाम सिंह	वरिष्ठ प्रवक्ता	मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दिलशाद गार्डन	मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दिलशाद गार्डन	9911144536	drsatanam64gmail.com

3. Project/ Study Conducted Academic Session: 2014

4. Institute where Project/Study submitted: मण्डलीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान दिलशाद गार्डन

5. Theme of the Project/Study: Teacher and Teaching

6. Level of the study: School Education

B) Summary of the Conducted Research work/Project/Study: -

1. Title (अध्ययन का शीर्षक): कक्षा 5 के विद्यार्थियों का हिन्दी विषय में उपलब्धि स्तर का अध्ययन (कक्षा 6 में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर)।

2. Introduction (अनुसंधान का परिचय):

किसी देश की शैक्षिक स्थिति उस देश के नागरिकों की विभिन्न आवश्यकताओं पर आधारित होती है। भारत जैसे बहुभाषी देश में शिक्षा पर सामाजिक एवं बाह्य दबाव कुछ अधिक काम करता है। विभिन्न राष्ट्रीय कर्तव्यों एवं समाज की आवश्यकताओं एवं संवेदनशीलता को ध्यान में रखते हुए पाठ्यचर्या निर्माण के लिए कुछ सिद्धांतों का निर्वाह विशेष रूप से किया गया है।

जैसे-

- रटंत पद्धति से मुक्त शिक्षा का विकास।
- कक्षा को गतिविधियों से जोड़ते हुए, परीक्षा को अपेक्षाकृत लचीला बनाना।
- एक ऐसी पहचान का विकास करना जिसमें प्रजातांत्रिक राज्य व्यवस्था के अंतर्गत राष्ट्रीय चिंताएं समाहित हों।

प्रस्तुत शोध भाषा की महत्ता को समझते हुए कक्षा 5 के विद्यार्थियों की उपलब्धि जानने हेतु उत्तर-पूर्वी ज़िले में की गई।

3. Objectives (अनुसंधान के उद्देश्य)–

- विद्यार्थियों के हिंदी विषय में उपलब्धि स्तर की तुलना करना।
- कक्षा 5 के वार्षिक परीक्षा के प्राप्तांक एवं स्वनिर्मित उपलब्धि परीक्षण के प्राप्तांको के संबंध का अध्ययन करना।
- छात्र-छात्राओं एवं सह शिक्षा विद्यालयों के विद्यार्थियों का हिंदी विषय में उपलब्धि का अध्ययन करना।

4. Research Design:

- **Research method(s)(अनुसंधान पद्धतियाँ)**– वर्तमान अनुसंधान में वर्णनात्मक शोध के अंतर्गत सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।
- **Tools and techniques(उपकरण और तकनीक):** प्रस्तुत अध्ययन के लिए अध्ययनकर्ता ने स्वयं विकसित प्रश्नावली का प्रयोग किया है। कुल 40 प्रश्नों के आधार पर इस अध्ययन का परिणाम विश्लेषण करने का प्रयास किया गया है।
- आंकड़ों का विश्लेषण करने के लिए प्रतिशत का उपयोग किया गया।

5. Research findings(शोध के निष्कर्ष /अनुसंधान के निष्कर्ष)

- कक्षा पाँच के बालकों का वार्षिक परिणाम के प्राप्तांक का माध्य 66.93 रहा। जबकि बालिकाओं के वार्षिक परिणाम के प्राप्तांक का माध्य 70 रहा।
- उपलब्धि परीक्षण के प्राप्तांक का माध्य बालक वर्ग में 61.29 तथा बालिकाओं के वर्ग में 63.8 रहा।
- कक्षा पाँच के विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा परिणाम और उपलब्धि परीक्षा के परिणाम के माध्य में ज्यादा अन्तर नहीं देखा गया, लैंगिक दृष्टि के आधार पर भी कोई अन्तर नहीं देखा गया।

6. **Educational implications (शैक्षिक निहितार्थ)**- अध्यापक शैक्षिक वातावरण का एक महत्वपूर्ण बिंदु है। हिंदी-शिक्षण की स्थिति को बेहतर बनाने के लिए कुछ सुझाव निम्नलिखित हैं-

- बच्चों से अधिक संवाद बनाए रखा जाये |
- कक्षा 6 के पाठ्यक्रम को प्रारंभ करने से पूर्व प्राथमिक स्तर के पाठ्यक्रम और माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम के बीच में सेतु बनाया जाएँ |
- कक्षा में बच्चों की संख्या का अनुपात सीमित रखना चाहिए|
- बच्चों के परिवार की भाषा को ध्यान में रखते हुए अध्ययन प्रक्रिया को आगे बढ़ाना चाहिए |
- पाठ्य सहगामी क्रियाओं को अधिक संख्या में करना, जिससे छात्र परिवेश से तालमेल बना सके|

7. **Scope of the study (भविष्य का दायरा)** –यह शोध इस सोच को विस्तारित करता है कि विद्यालय में उपलब्ध संसाधन तथा उसका सही उपयोग भी विद्यार्थी की क्षमता से प्रभावित करता है। शिक्षकों को कक्षा में भाषा के विभिन्न कौशलों पर चर्चा करनी चाहिए। पूरे पाठ्यक्रम में एकरूपता बनाए रखते हुए विषयों को तार्किक रूप से सही क्रम में व्यवस्थित किया जाना चाहिए। जिससे यह सभी वर्गों के छात्रों के लिए उपयोगी तथा उनकी समझ का विश्लेषण करने के लिए भी आयोजित किया जा सकता है। यह अध्ययन अन्य जिलों में भी किया जा सकता है और अन्य विषयों पर भी शोध किया जा सकता है। भविष्य का अध्ययन छात्रों के बड़े नमूने पर किया जा सकता है क्योंकि छोटे नमूने से निष्कर्षों को सामान्य बनाना मुश्किल हो जाता है ।